Rashtriya Sahara
12-5-2022

आमजन को मिले वानिकी शोध कार्यों का लाभ

देहरादून(एसएनबी)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के मुख्य भवन में विशेष प्रदर्शनी लगाई गई। संस्थान की निदेशक डा.रेणु सिंह ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी के माध्यम से आम लोगों के लिए उपयोगी वैज्ञानिक व तकनीक उपलब्धियों की जानकारी दी गई।प्रदर्शनी में अकाष्ठ वन उपज शााखा द्वारा प्रदर्शित विभिन्न औषधीय पादप प्रजातियों तथा उनकी उपयोगिता, रसायन प्रभाग द्वारा प्रदर्शित प्राकृतिक रंग, पिरूल फाइवर, खाद वनाने की प्रक्रिया, अगरवत्ती व धूप वनाने की प्रक्रिया, कीट विज्ञान शाखा द्वारा प्रदर्शित वांस की उपचार विधि, वांस घुन तथा उनके नियंत्रण विधि आदि ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।इसके अलावा विस्तार प्रभाग द्वारा पापुलस डेल्टोइड्स व मेलिया दूविया आधारित कृषि वानिकी मॉडल व भीमल फाइवर निष्कर्षण प्रौद्योगिकी प्रदर्शित की गई। संस्थान की निदेशक डा.रेणु ने प्रभागों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों को सराहा।

Shah Times
12-5-2022

वन अनुसंधान संस्थान में मनाया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

■ एफआरआई के मुख्य भवन में प्रदर्शनी लगाई गई, डॉ. रेनू सिंह ने किया उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान में बुधवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एफआरआई मुख्य भवन के सूचना केंद्र के सामने एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शन में संस्थान के विभिन्न प्रभागों ने अपनी-अपनी गतिविधियों को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी में आम लोगों के लिए उपयोगी वैज्ञानिक तथा तकनीकी उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. रेनू सिंह, निदेशक, एफआरआई के कर-कमलों से किया गया। डॉ. रेनू सिंह ने अपने संबोधन में संस्थान के विभिन्न प्रभागों की ओर से किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिकों और अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने शोध निष्कर्षों को आम जनता सहित उपयोगकर्ता समूहों में प्रसारित करने के लिए अपने प्रयास जारी रखें जिससे संस्थान में की जा रही शोध गतिविधियों से राष्ट्र का कल्याण हो। प्रदर्शनी में अकाष्ठ वन उपज शाखा की ओर से प्रदर्शित विभिन्न औषधिय पादप तथा उनकी उपयोगिता, रसायन प्रभाग की ओर से प्रदर्शित प्राकृतिक रंग, पिरूल फाइबर, खाद बनाने की प्रक्रिया, अगरबत्ती और धूप बनाने की प्रक्रिया, कीट विज्ञान शाखा की ओर से प्रदर्शित बांस की उपचार विधि, बांस बेधक, बांस घुन तथा उनके नियंत्रण विधि आदि ने सबका ध्यान आकर्षित किया। विस्तार प्रभाग की ओर से पॉपुलस डेल्टोइड्स और मेलिया दूबिया आधारित कृषि वानिकी मॉडल और भीमल फाइबर निष्कर्षण प्रौद्योगिकी प्रदर्शित की गई। आनुवांशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग की ओर से डैल्बर्जिया सिस्सू, मेलिया दूबिया, अजेडिरेक्टा इन्डिका, सल्वाडोरा, बांस और रिंगाल आदि जैसे महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों को प्रदर्शित किया गया। वन संरक्षण प्रभाग ने पोस्टर के माध्यम से पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया।

Amar Ujala
12-5-2022

राजधानी में धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

वन अनुसंधान संस्थान समेत कई स्थानों पर आयोजित हुए कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर बुधवार को सूचना केंद्र में लगाई गई, जिसका शुभारंभ एफआरआई निदेशक डॉ. रेनू सिंह ने किया। इस मौके पर आम जनता के लिए संस्थान के सभी संग्रहालयों में निःशुल्क भ्रमण की व्यवस्था की गई। उधर, राजधानी में कई संस्थानों द्वारा अलग-अलग स्थानों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

एफआरआई की निदेशक डॉ. रेनू ने संस्थान के शोध कार्यों की सराहना करते हुए वैज्ञानिकों व अधिकारियों से आग्रह किया कि अपने शोध निष्कर्षों को आम जनता सहित उपयोगकर्ता समूहों में प्रसारित करें। प्रदर्शनी में अकाष्ठ वन उपज शाखा द्वारा कई औषधीय पादप ओर उपयोगिता, रसायन प्रभाग द्वारा प्रदर्शित प्राकृतिक रंग, पिरूल फाइबर, खाद बनाने की प्रक्रिया, अगरबत्ती और धूपबत्ती बनाने की प्रक्रिया आदि आकर्षण का केंद्र रहीं। विस्तार प्रभाग द्वारा कृषि वानिकी मॉडल व भीमल फाइबर निष्कर्षण प्रौद्योगिकी प्रदर्शित की गई। कई पर्यावरणीय परिस्थितियों में उगने वाले वन वृक्ष प्रजातियों के लिए विकसित जैव उर्वरक भी प्रदर्शित किए गए।

एफआरआई में लगी प्रदर्शनी का निरीक्षण करतीं संस्थान की निदेशक डॉ.रेनू सिंह व अन्य। संवाद

उत्तराखंड राज्य विज्ञान व प्रौद्योगिकी परिषद के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजय धस्माना थे। कार्यक्रम में डॉ. परिषद के महानिदेशक राजेंद्र डोभाल समेत संस्थाओं के शिक्षक, शोधार्थी, छात्र, वैज्ञानिक आदि ने प्रतिभाग किया। वहीं, उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र द्वारा सिपेट संस्थान में विद्यार्थि को परिचयात्मक भ्रमण कराया गया। निदेशक प्रो. अनीता रावत ने कहा कि यह दिवस सभी गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान करता है। इस मौ पर डॉ. भवतोष शर्मा, डॉ. ओम प्रकाश नौटिया सिपेट के उपनिदेशक अभिषेक राजवंश मौजूद थे

Uttar Bharat Live
12-5-2022

वन अनुसंधान संस्थान में मनाया गया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

सूचना केंद्र के सामने प्रदर्शनी भी लगाई गई

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एफआरआई मुख्य भवन के सूचना केंद्र के सामने एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शन में संस्थान के विभिन्न प्रभागों ने अपनी-अपनी गतिविधियों को प्रदर्शित किया।

प्रदर्शनी में आम लोगों के लिए उपयोगी वैज्ञानिक तथा तकनीकी उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विभाग की निदेशक डा. रेनू सिंह के कर कमलों से किया गया। रेनू सिंह ने कहा कि संस्थान के विभिन्न प्रभागों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिकों और अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने शोध निष्कर्षों को आम जनता सहित उपयोगकर्ता समूहों में प्रसारित करने के लिए अपने प्रयास जारी रखें जिससे संस्थान में की जा रही शोध गतिविधियों से राष्ट्र का कल्याण हो। वन संरक्षण प्रभाग ने पोस्टर के माध्यम से पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया।

विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में उगने वाली विभिन्न वन वृक्ष प्रजातियों के लिए विकसित जैव.उर्वरक भी प्रदर्शित किए गये। काष्ठ शारीरिकी शाखा द्वारा लकड़ी की पहचान करने की प्रक्रिया पर पोस्टर प्रदर्शित किए गये। संस्थान के वन संवर्धन प्रभाग द्वारा वृक्षों के बीज प्रदर्शित किए गए। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर आम जनता के लिए संस्थान के सभी संग्रहालयों में निःशुल्क भ्रमण की व्यवस्था की गई थी।